B.Ed. IInd Year

Subject :- Knowledge language and curriculum

Topic :- (2) Efforts for the Improvement of curriculum
(2) पाठ्यक्रम में सुधार के लिए किये गये प्रयास

3 विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (राधाकृष्णन आयोग) 1949

विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग ने सन् 1949 में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि पाठ्यक्रम विस्तृत और लचीला होना चाहिए, जिसमें विद्यार्थी अपनी रुचियों के अनुसार पाठ्यक्रम का चयन कर सके। स्नातक स्तर पर सभी वर्गों में सामान्य शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाये।

इससे सामान्य और विशिष्ट शिक्षा में समन्वय स्थापित होगा और विश्वविद्यालय शिक्षा में व्याप्त विशिष्टीकरण के दोषों को दूर किया जा सकेगा। आयोग ने कहा है कि छात्रों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के विभिन्न अंगों को परस्पर सम्बन्धित करके पाठ्यक्रम में रखा जाये।

आयोग ने शिक्षा के माध्यम के रूप में प्रादेशिक भाषाओं को महत्व दिया और संघीय भाषा के रूप में हिन्दी के विकास पर बल दिया। आयोग ने कुछ नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने पर भी बल दिया।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

4. माध्यमिक शिक्षा आयोग (मुदालियर आयोग) 1953

माध्यमिक शिक्षा आयोग ने सन् 1953 में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आयोग ने पाठ्यक्रम के दोषों का उल्लेख करते हुए उसके सुधार के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये —

1. माध्यमिक शिक्षा स्वयं में पूर्ण इकाई होनी चाहिए। उसे विश्वविद्यालय शिक्षा का आधार मात्र नहीं होना चाहिए।
2. पाठ्यक्रम विभिन्न रुचियों और प्रवृत्तियों का विकास विद्यार्थियों के लिए होना चाहिए।
3. पाठ्यक्रम में लचीलापन होना चाहिए।
4. पाठ्यक्रम सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला होना चाहिए।
5. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषयों में सहसम्बन्ध होना चाहिए।
6. पाठ्यक्रम समय का सदुपयोग सिखाने वाला होना चाहिए।
7. पाठ्यक्रम निर्धारित करते समय विद्यार्थियों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।
8. आयोग ने मा० शिक्षा के पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय निर्धारित किये —

(अ) मिडिल अथवा जूनियर हाई स्कूल अथवा निम्न मा० स्तर पर —

1. भाषाएँ, 2. समाज विज्ञान, 3. सामान्य विज्ञान, 4. गणित, 5. कला एवं संगीत, 6. शिल्प, 7. शारीरिक शिक्षा।

(ब) उच्च मा० स्तर पर —

(अ) अनिवार्य विषय — भाषा, समाज विज्ञान, सामान्य विज्ञान, शिल्प आदि।

(ब) वैकल्पिक विषय। — मानव विज्ञान, विज्ञान, प्राविधिक, वाणिज्य, कृषि, ललित कलायें, गृह विज्ञान आदि।

Scanned with CamScanner